संगीत - तबला में स्नातक(बी0ए0)

उद्देश्य *- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को तबला वाद्य के घरानों, ताल पद्धति, प्रसिद्ध तबला वादकों के जीवन एवं अवनद्य वाद्यों की रचनाओं से अवगत कराना है तथा पाठ्यक्रमानुसार तबला के प्रयोगात्मक पक्ष की शिक्षा प्रदान करना है।*

तृतीय सेमेस्टर कोर कोर्स का पाठ्यक्रम

क्र0 सं0	कोर्स शीर्षक	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1	**हिंदुस्तानी संगीत की शैलियाँ - तबला एवं प्रयोगात्मक**	**बी0ए0एम0टी0(एन)-201**	**100**	**4**
प्रथम खण्ड	**हिंदुस्तानी संगीत की शैलियाँ - तबला**		**50**	**2**
	इकाई 1 - दिल्ली , अजराडा व पंजाब घराने की वंश परम्परा, वादन शैली/ बाज, विशेषताएँ एवं प्रमुख तबला वादकों का योगदान|			
	इकाई 2 - दक्षिण भारतीय ताल पद्धति का परिचय एवं उत्तर भारतीय ताल पद्धति से तुलना।			
	इकाई 3 - परिभाषा (रौ, परन , गत, चक्करदार एवं नौहक्का) उदाहरण सहित।			
	इकाई 4 - तबला वादकों का जीवन परिचय (उ0 मसीत खॉ, उ0 जाकिर हुसैन व पं0 गामा महाराज) ।			
	इकाई 5 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध।			
	इकाई 6 - पाठयक्रम की तालों झपताल, धमार ताल एवं दीपचंदी ताल का परिचय एवं बोल समूह द्वारा ताल पहचानना ; पाठयक्रम की तालों झपताल, धमार ताल एवं दीपचंदी ताल के ठेके को दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 7 - पाठ्यक्रम की तालों झपताल, धमार ताल एवं दीपचंदी ताल में तबले/पखावज की रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना।			
द्वितीय खण्ड	**प्रयोगात्मक**		**50**	**2**
	इकाई 8 - झपताल में एकल वादन।*			
	इकाई 9 - धमार ताल में टुक्ड़े, परन, चक्करदार व तिहाई।			
	इकाई 10 - दीपचंदी ताल का ज्ञान।			
	इकाई 11 - पाठ्यक्रम की तालों झपताल, धमार ताल एवं दीपचंदी ताल की पढन्त।			
	इकाई 12- पाठ्यक्रम की तालों झपताल, धमार ताल एवं दीपचंदी ताल के ठेकों को दुगुन, तिगुन व चौगुन लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 13 - तबले के बोलों व रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) की पढन्त।			
	इकाई 14- पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
	* **एकल वादन - उठान/मुखड़ा , एक पेशकार(तीन पलटों व तिहाई सहित) , दो कायदा(तीन पलटों व तिहाई सहित), एक रेला (तीन पलटों व तिहाई सहित), दो टुकड़े, एक चक्करदार, एक परन, एक गत एवं तिहाई ।**			

ताल - झपताल, धमार ताल एवं दीपचंदी ताल

नोट - पूर्व सेमेस्टरों के पाठ्यक्रम (प्रयोगात्मक) की पुनरावृत्ति।